जय जय महाश्रमण

नारी लोक

अंक 230, अगस्त 2017

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान)

संयम ही है जीवन का सार।
मर्यादा है जीवन का उपहार।।
सद्भावना व नैतिकता के साथ।
'सामंजस्य' से हो जीवन का शृंगार।।

सामंजस्य

अमृतवाणी

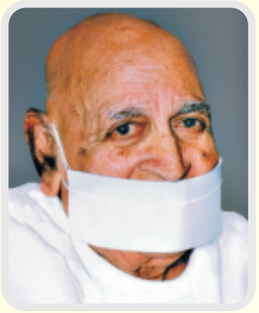

अनेकांत को जीवन-शैली का अंग बना लिया जाय तो विरोधी विचारों वाले व्यक्तियों के साथ भी सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है।

– आचार्यश्री तुलसी

Thinking is good but excessive thinking is not. Between thoughts if there is a period of thoughtlessness, thoughts will be fresh and pathbreaking. A thinker will be able to cultivate a strain of healthy thoughts only when he pays attention to thoughtlessness also.

–आचार्यश्री महाप्रज्ञ

वर्षा आती है। उत्तप्त मनुष्य शांति का अनुभव करता है। इसी प्रकार समर्थ व्यक्ति जब असमर्थों पर करूणा और कृपा की वर्षा करते हैं तो उन्हे भी शांति मिलती है।

–आचार्यश्री महाश्रमण

शरीर, मस्तिष्क व भावों में शक्ति होती है। शरीर को शक्ति सम्पन्न बनाना है तो श्रमनिष्ठा की अपेक्षा है। बौद्धिक-शक्ति सम्पन्नता के लिए साहित्य वाचन करें। इससे विचारों की शक्ति बढ़ेगी। इस प्रकार भावात्मक शक्ति यानि आवेग-संवेग नियंत्रण के लिए प्रेक्षा-अनुप्रेक्षा का अभ्यास करें।

साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

अभिवादन

गुरु माता, गुरुवर पिता, गुरु से बड़ा न कोय।
जिस घट में गुरुवर बसे, सब कार्य सिद्ध होय।।

मेरी प्यारी कर्मठ बहनों,
सादर जय जिनेन्द्र!

शान्ति-सौहार्द व संयम की चेतना को जागृत करने का अलौकिक उपहार है-चातुर्मास।

अध्यात्म को असीम ऊँचाई देने का अवसर है-चातुर्मास।

चातुर्मास में ज्ञान की गंगा बहाने वाले महायोगी संत शिरोमणि आचार्यश्री महाश्रमण की दिव्य आभा को शत्-शत् नमन।

विशाल जनमेदिनी को अपनी मंगल वाणी का रसपान कराने वाले शान्ति दूत को श्रद्धासिक्त प्रणाम।

प्रणाम करते हैं स्वतंत्रता दिवस पर उन वीर सैनानियों के समर्पण को, जिन्होंने अपने वतन के लिए स्वयं को कुर्बान किया। स्मरण करते हैं गाँधीजी के बलिदान को, जिन्होंने सत्य व अहिंसा के बल पर देश को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराया। सलाम करते हैं बहुमूल्य आजादी की गौरव गाथा गाने वाले तिरंगे को, जो हरा, सफेद, केसरी रंग से सुसज्जित है। श्वेत रंग जो सादगी व पवित्रता का प्रतीक है, वहीं केसरिया रंग शक्ति का परिचायक है तो हरा रंग हमें खुशहाली का संदेश देता है।

संदेश देता है सावन का महीना तीज त्यौहारों का तो साथ में बहार आती है-जप-तप व स्वाध्याय की। तीज-त्यौहारों का अपना सांस्कृतिक महत्व है। रक्षा बंधन भाई-बहन के प्यार का सेतु है, तो नणंद भाभी के रिश्तों की सरसता परिवार की एक सुखद अनुभूति है। अध्यात्म की गंगा में डुबकी लगाकर आत्मस्नान करना जीवन उपलब्धि है, तो साधु-संतों से प्राप्त सद्ज्ञान आत्म कल्याण का हेतु है।

साधु-संत धरती के कल्पवृक्ष होते हैं। वे ऋषि परम्परा के संवाहक जीवन कला के मर्मज्ञ व ज्ञान के रत्नदीप होते हैं। उनकी सन्निधि से मानवीय मूल्यों की सुरक्षा व आध्यात्मिक चेतना का जागरण होता है। संस्कारों का बीजारोपण होता है।

हमारी कन्याएं संस्कृति की संवाहक व संस्कारों की धरोहर है। कन्याएं हमारा गौरव हैं, हमारे जीवन का गुनगुनाता मीठा गीत है। संस्कारों की सौरभ से महकता सुरीला संगीत है। अभी 25, 26, 27 जुलाई को 14वां राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन 'सामंजस्य' कोलकाता के राजारहाट में पूज्य प्रवर के सान्निध्य में सानन्द संपन्न हुआ। कन्याओं का आपस में सामंजस्य व उनकी उभरती प्रतिभा को देखकर असीम आनंद की अनुभूति हुई। पूज्य प्रवर ने कन्याओं को सम्यकत्व दीक्षा प्रदान कर उन्हें सम्यकत्व रत्न से सुशोभित किया। आपश्री के प्रभावी उद्बोधन ने आध्यात्मिक उत्थान के अंकुर का बीजारोपण किया। प्रबुद्ध चिंतन की धनी साध्वी प्रमुखाश्री जी के प्रेरणादायी वक्तव्य ने कन्याओं में एक नई ऊर्जा का संचार किया। फौलादी संकल्पों के साथ अपनी अर्हता को उजागर करने की ललक जगाई।

रौनक छा गई राजारहाट के प्रांगण में इन प्यारी कन्याओं के शुभागमन से।
गुलजार हो गया समाँ हमारी कन्याओं की गरिमामय उपस्थिति से।
बहार आ गई चातुर्मास स्थल पर इन कलियों की महक से।
चातुर्मास का हर पल एक पर्व के समान होता है।
पर्वों में पर्वाधिराज पर्व है- पर्युषण पर्व।
पर्युषण धर्माराधना का पर्व है।
यह क्षमा व मैत्री का पर्व है।
यह आत्मलोचन का पर्व है।
संयम की चेतना को जागृत करने का अवसर है।
आध्यात्मिक शक्ति को उजागर करने का स्रोत है।

बहनों! पर्युषण पर्व की महत्ता से आप सभी वाकिफ हैं। समय के नियोजन के साथ-साथ आत्मावलोकन भी करें। आन्तरिक शक्ति को जागृत करने का प्रयास करें।

व्यवहार व वाणी में संयम का परिचय दें ताकि आपस में हमारा सामंजस्य बना रहे। इसी आशा और विश्वास के साथ..

आपकी अपनी

कल्पना बैद

कल्पना बैद
राष्ट्रीय अध्यक्ष

करणीय कार्य

महिला मंडल

अगस्त 2017

करणीय कार्य : धार्मिक अनुष्ठान

अगस्त माह में प्रारम्भ हो रहा है पर्युषण पर्व जो आत्मशोधन का उत्कृष्ट महापर्व है, जिसमें व्यक्ति आत्मार्थी बनकर आध्यात्मिक आनन्द के शिखर पर आरोहण कर सकता है। पर्युषण पर्व ऐसा सवेरा है जो प्रमाद रूपी निद्रा को त्याग कर जागृत अवस्था में ले जाता है।

इस अवसर पर जप, तप, ध्यान, स्वाध्याय आदि आध्यात्मिक अनुष्ठानों के द्वारा आत्मशुद्धि का प्रयास करें तथा अधिक से अधिक बहनें इस पर्व की शुरुआत चन्दनबाला के तेले से करें। किये गये तेलों की संख्या महामंत्री कार्यालय में भेज दें।

सितम्बर 2017

सामूहिक क्षमा याचना

चातुर्मास का समय आध्यात्मिक जागरण का समय है। अत: इस समय बहनें अधिक से अधिक जप तप ध्यान स्वध्याय में अपने समय का नियोजन करें। क्षमायाचना दिवस पर सिर्फ वाणी से ही नहीं बल्कि शुद्ध अन्त:करण से एक दूसरे को क्षमा का आदान-प्रदान करें। सम्भव हो तो सभी शाखा मंडल अपने-अपने क्षेत्रों में अपनी सुविधानुसार सितम्बर माह में सामूहिक क्षमा याचना के कार्यक्रम का आयोजन करें। इसमें अधिक से अधिक युवा पीढ़ी को संभागी बनाएं एवं उन्हें क्षमा के महत्व को समझाएं।

कन्या मंडल

संस्कारों की संवाहक-कन्याएं बने प्रभावक

प्रिय बेटियों,

सादर जय जिनेन्द्र!

14वां राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन ''सामंजस्य'' इसमें समागत कन्याओं का सैलाब सामंजस्य की ही सरगम गुनगुना रहा था सैकड़ो-सैकड़ों कन्याओं का सामंजस्य उजागर हो रहा था, साथ-साथ खाने-पीने, रहने एवं कार्यक्रमों की उपस्थिति में। लाडलियों! अधिवेशन में परिचय परेड में आपकी समय प्रतिबद्धता, प्रतिवेदन मॉडलमें आपकी कलात्मकता, नवीनता एवं दक्षता देखकर अत्यंत गौरव एवं अपूर्व आत्मतोष की अनुभूति हुई। लघु नाटिकाओं में भी आपकी समसामयिक सोच के अनुसार समस्याओं की प्रस्तुति आपकी प्रतिभा का ही परिचायक थी। पूरे अधिवेशन में सभी कार्यक्रमों में आपके सहयोग, श्रम अनुशासन को देखकर हम अभिभूत थे।

बेटियों! आपके एवं हमारे सामंजस्य से यह ''सामंजस्य'' अधिवेशन सफल हुआ एतर्थ सभी को साधुवाद, धन्यवाद।

जैन धर्म का महान पर्व-पर्युषण पर्व।
धर्माराधना एवं साधना का पर्व।
अन्त:करण में रमण करने का पर्व।

पर्युषण में आठों दिन एक घंटा मौन एवं प्रतिदिन एक सामायिक करने का लक्ष्य रखें।

आपकी अपनी

पुखराज दीदी

अधिवेशन

योगक्षेम

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का 42वां वार्षिक अधिवेशन – योगक्षेम

11, 12 व 13 सितम्बर 2017, राजारहाट, कोलकाता

सादर आमंत्रण

श्रद्धेय आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का आगामी त्रिदिवसीय वार्षिक अधिवेशन 11,12 एवं13 सितंबर 2017 को कोलकाता–राजारहाट में होना निश्चित हुआ है। सभी शाखा मंडल सादर आमंत्रित हैं। रजिस्ट्रेशन 10 सितंबर को प्रात: 10.00 बजे राजारहाट में शुरू हो जाएगा। 10 सितंबर को संध्या में स्वागत व परिचय सत्र का आयोजन किया जाएगा। अत: सभी शाखा मंडलों से निवेदन है कि यथासंभव परिचय सत्र में शामिल हों। सभी शाखा मंडल समय से पूर्व पहुंचे। दिनांक 12 सितंबर को साधारण सभा का आयोजन होगा। कृपया आने के बाद आवास कार्यालय में संपर्क करें।

- सभी क्षेत्रों से यथासंभव वर्तमान व पूर्व अध्यक्ष, वर्तमान व पूर्व मंत्री एवं युवा कार्यकर्ता इस अधिवेशन में शामिल हों।
- नव निर्मित मंडल एवं परिसीमन के अंतर्गत नव गठित मंडल से सिर्फ 3 बहनें शामिल हों (अध्यक्ष, मंत्री तथा एक युवती बहन)।
- अधिवेशन के दौरान गणवेश पहनना अनिवार्य है।
- आभूषण व कीमती सामान की सुरक्षा की जिम्मेवारी आपकी होगी। कृपया संयम का परिचय दें।
- ओढ़ने–बिछाने के वस्त्र व आसन और मुख वस्त्रिका साथ में लेकर आएं।
- अधिवेशन के दौरान रात्रि भोजन की व्यवस्था नहीं होगी। अत: शाखा मंडल सूर्यास्त के बाद पहुंचते हैं तो भोजन की व्यवस्था उनकी अपनी होगी।
- सामान कम से कम लाएं।
- अपना मान्यता पत्र साथ में लायें। रजिस्ट्रेशन शुल्क प्रत्येक प्रतिनिधि के लिए 500 रुपये रखा गया है।

विशेष : ध्यान दें अधिवेशन में आने वाली बहिनें अपने आने की स्वीकृति महामंत्री कार्यालय में शीघ्र प्रेषित करें। अन्य जानकारियों के लिए संपर्क करें।

सम्पर्क सूत्र

शोभा दुगड़ +91 98313 00006 | **मधु दुगड़** +91 98311 31111 | **सायर कोठारी** +91 98362 41916 | **गुलाब सुराणा** +91 9836091111

कमला छाजेड़ +91 98315 78294

आचार्य श्रीमहाश्रमण चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति, राजारहाट– कोलकाता

अधिवेशन

राष्ट्रीय महिला अधिवेशन में साधारण सभा का आयोजन

दिनांक 12 सितंबर 2017

साधारण सभा का एजेंडा

(I) अध्यक्ष द्वारा स्वागत (ii) गत मिनट का वाचन (iii) आय-व्यय का विवरण कोषाध्यक्ष द्वारा
(iv) संविधान की जानकारी (v) अन्य : अध्यक्ष महोदय की अनुमति से (vi) आभार

सभी शाखा मंडल सादर आमंत्रित हैं

राष्ट्रीय महिला अधिवेशन में विशिष्ट आयोजन

- पूज्यवरों का विशेष उद्‌बोधन
- सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार समारोह
- श्राविका गौरव सम्मान समारोह
- आचार्य तुलसी कर्त्तृत्व पुरस्कार
- 25 बोल प्रतियोगिता

आचार्य तुलसी कर्त्तृत्व पुरस्कार

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का सर्वोच्च सम्मान आचार्य तुलसी कर्त्तृत्व पुरस्कार वर्ष 2017 के लिए गोवा की राज्यपाल डॉ. मृदुलाजी सिन्हा का चयन किया गया है, जो एक सुप्रसिद्ध साहित्यकार भी हैं। यह पुरस्कार उन्हें परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में 11 सितम्बर, 2017 को राजारहाट, कोलकाता में प्रदान किया जाएगा।

विशेष सूचना

अधिवेशन के समय प्रतिक्रमण, 25 बोल, नारीलोक में प्रकाशित दो वर्ष की प्रश्नोत्तरी तथा महाश्रमण अष्टकम की प्रतियोगिता होगी। अत: सभी क्षेत्रों की बहनें पूरी तैयारी के साथ आयें एवं भाग लेने वाली बहनें मंत्री कार्यालय में अपना नाम लिखवा दें।

स्वर्ण जयंती

जयपुर शहर स्वर्ण जयंती समारोह

दिनांक 5 जुलाई 2017 : तेरापंथ महिला मंडल जयपुर शहर का स्वर्ण जयंती समारोह मंत्री मुनि श्री सुमेर मलजी स्वामी के सान्निध्य में अणु विभा केन्द्र में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 'स्वर्ण सोपान स्मारिका' के विमोचन से हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पनाजी बैद ने की। मुख्य वक्ता उच्च शिक्षा मंत्री किरण माहेश्वरी ने महिला के कार्यों को सराहा और कहा अनुशासन के साथ पूरे देश में शाखा मंडलों का चलाना तथा सफाई अभियान के तहत सरकार द्वारा ब्रांड एम्बेसडर बनाना बहुत ही गौरव की बात है। सरकारी योजनाओं की पुस्तक कल्पनाजी बैद को भेंट की। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की उपाध्यक्ष पुष्पाजी बैद (संपादिका स्वर्ण सोपान स्मारिका) ने बताया कि इतिहास की सुरक्षा-संस्कृति सभ्यता की सुरक्षा है। वर्तमान के लिये प्रेरणा व भविष्य के लिये आलोक स्तम्भ बनेगा। पच्चास वर्ष तक के अध्यक्ष व मंत्री को सम्मानित किया गया। शासन स्तम्भ मुनी प्रवर ने कहा कि तेरापंथ के सक्रिय क्षेत्रों में जयपुर अग्रणी स्थान रखता है। 50 वर्ष संपन्न करना करना किसी भी संस्था के लिये गौरव की बात है। भावी पीढ़ी का निर्माण महिलाओं के हाथ में होता है। मुनि पुलकित कुमार जी ने कहा महिलाएं अपने आप में शक्ति, समर्पण, श्रद्धा, सेवा, संस्कार संवर्द्धन की स्रोत है। प्रधान ट्रस्टी सायरजी बैंगाणी ने कहा कि गुलाबी इमारतों के साथ लोगों में भी गुलाबी खुशबू है। यहां के धरती ने भी खूब रत्नों को जन्म दिया है। पूर्व कोषाध्यक्ष विमलाजी दुगड़ ने साध्वी प्रमुखाश्री जी का संदेश वाचन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने योजनाओं व गतिविधियों का वर्णन किया व मंडल के प्रति शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि महिला व बाल विकास मंत्री अनिता भदेल ने रानी लक्ष्मी बाई व पन्ना धाय के उदाहरण देकर महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया। अर्चना सुराणा फाउंडर व डाइरेक्टर आर्ट एकेडेमी ऑफ डिजाइन- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर परिवारों का एक्सचेंज प्रोग्राम होना चाहिये। अध्यक्ष निर्मला जी सुराणा व मंत्री प्रतिभा जी बरड़िया ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन नितिशा कुंडलिया व विभाग बैद ने किया।

सायंकाल महाराणा प्रताप सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम **'उत्सव सुनहरे सफर का'** आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि टीवी कलाकार चारू रोहतगी और विधायक दीया कुमारी थी। कन्या मंडल ने स्वच्छ भारत अभियान, कन्या सुरक्षा स्वस्थ समाज-स्वस्थ परिवार, शिक्षा और आओ चलें गांव की ओर जैसे सामाजिक मुद्दों पर विभिन्न प्रस्तुतियां दी। आर्च इंस्टीच्यूट डाइरेक्टर अर्चनाजी सुराणा, मुनि श्री पुलकित, मंत्री मुनि श्री सुमेरमलजी स्वामी, मुनि श्री उदित कुमार, मुनि श्री अनंत कुमार की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कोलकाता स्वर्ण जयन्ती समापन समारोह

दिनांक 11 जुलाई 2017 को कोलकाता महिला मंडल का स्वर्ण जयन्ती समापन समारोह आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में आयोजित किया गया। महिला मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। प्रवास व्यवस्था समिति की महामंत्री सूरजजी बरड़िया ने कार्यक्रम को संचालित किया। अध्यक्ष अमरावजी चौरड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पनाजी बैद ने अपने भाव व्यक्त किये। साध्वी प्रमुखश्री जी ने फरमाया कि महिलाओं को बोधि विकास के साथ भावनात्मक विकास भी करना चाहिये। ममता-समता-सहनशीलता के साथ-साथ उनमें सकारात्मक सोच होनी चाहिये। वास्तव में कोलकाता महिला मंडल ने अपनी अलग पहचान बनाई है। बहनों ने ज्ञानार्जन में भी अच्छा काम किया है। स्वर्ण जयंती वर्ष पर हम स्वयं के जीवन को ज्योर्तिमय बनाये। आचार्य श्री महाश्रमणजी को स्मारिका एवं 50 त्याग की एक तालिका भी बनाकर भेंट की गई, जिसमें 500 बहनों ने भाग लिया। गुरुदेव ने फरमाया कि संघर्ष के द्वारा ही व्यक्ति में निखार आता है। उसी तरह कोलकाता महिला मंडल ने कितना सहा होगा, झेला होगा तब इतनी परिप्रवता आयी होगी। तत्वज्ञान में लाभार्थ प्राप्त करें। शनिवार की सामयिक स्वयं करें और परिवार के सदस्यों को भी कराने का प्रयास करें। मंत्री अंजु दुगड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जयपुर में कन्या सुरक्षा अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटिका

जयपुर शहर महिला मडल द्वारा 4 जुलाई शाम 5 बजे कन्या बचाओ का संदेश देते हुए रामनिवास बाग में स्थित एलबर्ट हॉल के सम्मुख नुक्कड़ नाटिका का मंचन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष सुमन शर्मा व आईएस अफसर ऋचा खोरा भी उपस्थित थीं। मंडल की सभी बहनों ने उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में भाग लिया। यातायात की नियमों की जानकारी कन्या मंडल ने नुक्कड़ नाटिका द्वारा प्रस्तुत की। राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पनाजी बैद ने कन्या सुरक्षा योजना पर प्रकाश डाला। महामंत्री सुमनजी नाहटा ने कविता के माध्यम से बेटियों की गरिमा को बताया। कार्यक्रम का संयोजन सुमनजी बोरड़ ने किया। मंत्री प्रतिभा बरड़िया ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

महिला चिकित्सालय में कन्या सुरक्षा स्तंभ का अनावरण

जयपुर शहर : दिनांक 4 जुलाई 2017, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशनुसार पर जयपुर शहर महिला मंडल ने सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय में कन्या सुरक्षा स्तम्भ का अनावरण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री कालीचरण सराफ तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पनाजी बैद द्वारा किया गया। ट्रस्टी सायरजी बैंगानी, महामंत्री सुमनजी नाहटा, ट्रस्टी सौभागजी बैद, उपाध्यक्ष पुष्पाजी बैद, कोषाध्यक्ष सरिताजी डागा, सहमंत्री विजयलक्ष्मी भूरा, पूर्व कोषाध्यक्ष विमलाजी दुगड़, कार्यसमिति सदस्य रंजुजी खटेड़, रजनीजी बाफना, सुनीताजी डूंगरवाल, सुमनजी लुणिया उपस्थित थीं। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ **'गांधी के पुण्य वतन में'** गीतिका द्वारा किया गया। अध्यक्ष निर्मला सुराणा व मंत्री प्रतिभा बरड़िया ने आगंतुक अतिथियों का भाव भरा स्वागत किया। श्री कालीचरणजी ने अपने वक्तव्य में कहा कि महिला चिकित्सालय में कन्या सुरक्षा सर्कल बनवाना जागरुकता हेतु एक बड़ा कदम है। इस सेमिनार में अच्छी संख्या में चिकित्सक भी उपस्थित थे।

कन्या सुरक्षा सर्कल का उद्घाटन

राजसमंद : अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल राजसमंद द्वारा स्थानीय नगरपालिका के साथ मिलकर नया बस स्टैंड स्थित आचार्य भिक्षु मार्ग पर आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्कल का निर्माण किया गया। जिसका उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना जी बैद द्वारा उच्च शिक्षा मंत्री किरण माहेश्वरी, नगरपालिकाध्यक्ष सुरेशचंद्र पालीवाल की उपस्थिति में किया गया। तेरापंथ युवक परिषद द्वारा जैन विधि से उद्घाटन का कार्यक्रम सम्पन्न करवाया गया। इस अवसर पर स्थानीय अध्यक्ष निर्मला जी चपलोत व विशिष्ट अतिथियों के साथ मंडल की काफी बहनें उपस्थित थीं।

सशक्तिकरण कार्यशाला

राजसमंद : दिनांक 14 जुलाई 2017 को शहर के भिक्षु बोधिस्थल में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल राजसमंद में एम्पावरमेंट कार्यशाला को संबोधित करते हुए शासन श्री मुनिश्री सुरेश कुमार जी 'हरनावां' ने कहा कि श्रमण भगवान महावीर ने नारी जाति के उन्नयन का आह्वान किया। राष्ट्रीय संत आचार्य तुलसी ने उस आह्वान की गूंज को पूरे विश्व में मै लाया। नारी समाज की रीढ़ है, नारी के बिना सब कुछ अधूरा है। मुनिश्री सम्बोध कुमार जी ने कहा–मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है, पंखों से नहीं हौसलों की उड़ान होती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पनाजी बैद ने कहा–नारी दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती का रूप है। महिला कभी मां–बेटी–बहन–बहू, हर रूप में सशक्त बने। कार्यशाला का शुभारंभ **'सशक्तिकरण गीत'** से हुआ। ललिता जी चपलोत ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया, जिसे स्थानीय कार्यकारिणी सदस्यों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष व पदाधिकारियों को भेंट किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना जी बैद, ट्रस्टी प्रकाश जी तातेड़, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुमुद जी कच्छारा, कोषाध्यक्ष सरिता जी डागा, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य नीतू जी ओस्तवाल ने मेवाड़ में हुए पहले कन्या सुरक्षा सर्कल निर्माण के लिए स्मृति चिन्ह भेंट कर मंडल को सम्मानित किया। आभार निर्मलाजी कोठारी व मंच संचालन मंत्री हंसाजी मेहता ने किया।

अपनों से अपनी बात

कांकरोली : दिनांक 15 जुलाई को साध्वीश्री साधनाश्रीजी के सान्निध्य में कांकरोली महिला मंडल द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पनाजी बैद की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्ष चंदाजी टुकलिया ने सभी पदाधिकारियों का भाव–भीना स्वागत किया। साध्वीश्री जी ने अपने मंगल उद्‌बोधन में फरमाया कि महिलाओं ने विकास किया है, लेकिन उनके लिए विकास के साथ–साथ अपने मौलिक गुणों को पकड़ कर रखना आवश्यक है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि नारी शक्ति का पुंज है। अपनी शक्ति को उजागर कर उसका सही दिशा में नियोजन करें। उन्होंने रजिस्टर की सार संभाल की, प्रश्नोत्तरी का राउन्ड चला और सबकी समस्या का समाधान किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुमुद जी कच्छारा ने महिला मंडल और कार्यकर्ता को जिम्मेदारी समझ कर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर ट्रस्टी प्रकाशजी तातेड़, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सरिता जी डागा, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नीतू जी ओसतवाल उपस्थित थीं। स्थानीय मंत्री ने संचालन किया। पूर्व अध्यक्ष स्नेहलता मादरेचा ने आभार ज्ञापन किया।

बढ़ते कदम

केलवा : दिनांक 16 जुलाई को तेरापंथ उद्गम स्थली (अंधेरी ओरी) में राष्ट्रीय पदाधिकारीगण के साथ तेरापंथ महिला मंडल केलवा द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। तेरापंथ आर्ध्य प्रर्वतक आचार्य भिक्षु की 'ॐ भिक्षु-जयभिक्षु' का समवेत स्वर में जाप करते हुए अभ्यर्थना की गयी। अध्यक्ष ने आगन्तुक अतिथियों का शब्दसुमन व साहित्य भेंट कर सम्मान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में कहा कि महिला मडंल की बहनें संघ व संघपति के प्रति पूर्ण श्रद्धा, निष्ठा व समपर्ण का भाव रखे तथा केन्द्र से निर्देशित सभी कार्यों को पूर्ण जागरूकता से सम्पादित करे। इस अवसर पर ट्रस्टी प्रकाशजी तातेड़, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुमुद जी कच्छारा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सरिता जी डागा, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नीतू जी ओसतवाल उपस्थित थीं। मंत्री ने संचालन व आभार ज्ञापन किया। संगोष्ठी के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना जी बैद तथा उनकी टीम ने तेरापंथ सभा भवन में मुनिश्री मणिलालजी स्वामी के दर्शन किए।

लावा सरदारगढ़ : दिनांक 16 जुलाई तेरापंथ सभा भवन में मुनि श्री भूपेंद्र कुमार जी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा व महिला मंडल का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पनाजी बैद ने महिला मंडल तथा तेरापंथी सभा के पदाधिकारियों को व कार्य समिति के सदस्यों को शपथ दिलाई। मुनि श्री भूपेन्द्र कुमार जी ने फरमाया कि यह शायद पहली बार है कि किसी महिला ने सभा के सदस्यों को शपथ दिलाई हो। तपस्वी मुनि श्रीजी ने उदबोधन देते हुए कहा कि नारी शक्ति जागृत बने लेकिन साथ-साथ संयमित व संस्कारित भी बने। परिवार के दायित्व के साथ-साथ संघ व समाज का दायित्व भी निभाये। अध्यक्ष मंजू कच्छारा व सभा अध्यक्ष डॉ.बसंती लाल जी बाबेल ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सरिता जी डागा भी उपस्थित थीं। मंत्री सीमा बाबेल ने आभार व्यक्त किया। संचालन लीला चिप्पड़ ने किया।

कन्या अधिवेशन

14वां राष्ट्रीय कन्या मंडल अधिवेशन – सामंजस्य

सामंजस्य कन्या अधिवेशन : आचार्य महाश्रमण जी के सान्निध्य में सोनार बांगला की महानगरी कोलकाता राजारहाट में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में 25, 26 एवं 27 जुलाई 2017 को त्रिदिवसीय राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन **'सामंजस्य'** का आयोजन किया गया, जिसमें देश-विदेश से 68 क्षेत्रों की 580 कन्याओं ने भाग लिया जो सचमुच एक उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

स्वागत सामंजस्य मॉल में : 27 जुलाई 2017 को मध्यान्ह 3 बजे से इस सत्र का प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ चीफ ट्रस्टी सायर जी बैंगाणी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना जी बैद ने महामंत्रोच्चार द्वारा किया। राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी पुखराज जी सेठिया एवं करूणा कोठारी ने मंगल भावना एवं गुवाहाटी कन्या मंडल ने मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की संरक्षिका तारा जी सुराणा ने अपने अनुभवों द्वारा कन्याओं को सामंजस्य की सीख दी। इस सत्र में आध्यात्मिक एवं ज्ञानवर्द्धक खेलों द्वारा सामंजस्य के विविध पहलुओं को दर्शाते हुए Game Zone, Express Yourself, Pair Making, Look Here, Say No to Egg आदि Stall पर प्रतियोगिताएं एवं प्रश्नोत्तरी रखी गयी, जिसमें सैकड़ों कन्याओं ने अति उत्साह के साथ भाग लिया एवं कार्यक्रम को सफल बनाया। ख्याति बैद, पूजा बैद एवं उनकी टीम ने पीपीटी द्वारा Say No to Egg की प्रस्तुति दी, जो काफी रोचक एवं प्रभावशाली रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन सह-प्रभारी करूणा जी कोठारी ने किया। गेम्स की संयोजना में एवं व्यवस्था में पुखराज सेठिया, नीलम सेठिया एवं कार्यसमिति बहनों का सहयोग रहा।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए पारितोषिक वितरण द्वारा नारी लोक में दिये गये करणीय कार्यों में विजेता कन्या मंडलों को मोमेन्टो प्रदान कर उनका उत्साहवर्द्धन किया गया।

सर्वांगीण विकास के दरवाजे : यह सायंकालीन सत्र प्रवचन पंडाल में मातृ हृदया साध्वी प्रमुखाजी के सान्निध्य में आयोजित किया गया। कन्या मंडलों का परिचय एवं उनकी गति-प्रगति के प्रतिवेदन की प्रस्तुति इस सत्र के मुख्य बिंदु थे। वृहद कोलकाता कन्या मंडल, उत्तर हावड़ा, दक्षिण हावड़ा, कोलकाता एवं हिन्द मोटर की 108 कन्याओं ने सम्वेद स्वरों में बहुत सुन्दर मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं स्वास्तिक प्रभा साध्वीश्रीजी ने अपने विचार प्रस्तुत किये। अधिवेशन में संभागी सभी कन्या मंडलों ने 'एयर होस्टेस' की थीम पर Girl Empowerment, Spritual Empowerment, Clean India एवं Save Environment के स्लोगनों के साथ परिचय परेड की भव्य प्रस्तुति दी जिसे देखकर पूरा पंडाल ओम अर्हम् की ध्वनि से गुंजायमान हो गया। विगत दो वर्षों की गति-प्रगति के विवरण का प्रतिवेदन राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी डॉ. पुखराज सेठिया ने किया। कुछ उल्लेखनीय आंकड़े निम्न हैं :-

शनिवार सामायिक : फरवरी 2016 से जुलाई 2017 तक 419243 हो चुकी है। रात्रि 10 बजे के बाद तिविहार त्याग-1750 कन्याएं, प्रतिक्रमण, पच्चीस बोल आदि कंठस्थ ज्ञान-1350 कन्याएं

वाट्सअप यात्रा : त्याग यात्रा, ज्ञान यात्रा, विचार यात्रा, गुगल सर्च यात्रा-8000 कन्याएं

संस्कार निर्माण कार्यशालाएं एवं विविध प्रतियोगिताओं से लाभान्वित : 6000-7000 कन्याएं

नारीलोक में दिये गये करणीय कार्यों को कन्या मंडलों ने विविध 3डी मॉडल्स के माध्यम से प्रस्तुत किया, जिनमें कन्याओं का श्रम, नवीन चिन्तन, रचनात्मक एवं कलात्मक उजागर हो रही थी। संघ महानिदेशिका साध्वी प्रमुखाश्रीजी ने अपने मंगल उद्बोधन में कन्याओं को प्रेरित करते हुए कहा-सामंजस्य सफलता, शांति एवं सुख की धुरी है। महावीर का सिद्धांत अनेकान्त, उसी का एक आयाम है सामंजस्य। कन्याएं सामंजस्य के साथ जीने का अभ्यास करे-सुख, शांति स्वयं उनके पास चलकर आएगी। कार्यक्रम का संचालन सह-मंत्री विजय लक्ष्मी जी भूरा ने किया। आभार रंजू खटेड़ ने दिया।

सामंजस्य की भोर उद्घाटन सत्र : 26 जुलाई, 2017 को प्रात: 8 बजे सामंजस्य रैली द्वारा सैकड़ों कन्याएं परिसर में जय-जय ज्योति चरण, जय-जय महाश्रमण के नारों को गुंजायमान करती हुई गुरुदेव के श्री चरणों में उपस्थित हुईं। मंगलाचरण के रूप में हैदराबाद कन्या मंडल ने थीम सोंग की प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना जी बैद ने अपनी पूरी टीम के साथ सामंजस्य का लोगो श्री

सामंजस्य

चरणों में भेंट किया एवं सामंजस्य अधिवेशन का विधिवत उद्घाटन हुआ। कन्याओं के द्वारा किये गये कार्यों के प्रत्येक मॉडल को गुरुदेव ने बड़े ध्यान से देखा एवं उनके बारे में विस्तृत जानकारी राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी पुखराज जी सेठिया एवं स्वयं कन्याओं ने दी। गुरुदेव ने महती कृपा कर लगभग 45 मिनट का समय प्रदान किया एवं जो अमृत वात्सल्य बरसाया, प्रभुवर की ऐसी अनहद कृपा वृष्टि से धन्य हो गए वे पल, धन्य हो गए हम सब।

सामंजस्य स्वयं के साथ : पुज्य प्रवर के सान्निध्य में अधिवेशन के विधिवत उद्घाटन के पश्चात् सोनारग्राम सभागार में 'सामंजस्य स्वयं के साथ' सत्र का शुभारंभ मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुत विभाजी के सान्निध्य में हुआ। मंगलाचरण प्रस्तुत किया मुंबई कन्या मंडल ने इन्द्र धनुषी रंगों में। राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पनाजी बैद ने समुपस्थित विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। चीफ ट्रस्टी सायरजी बैंगाणी ने कन्याओं को उद्बोधित करते हुए कहा–सामंजस्य उलझनों को सुलझाने की कला है। असंख्य घुमाव है, सुई की यात्रा में। परन्तु सुई और धागे का सामंजस्य है, अत: फटे को सिलती है और कटे को जोड़ती है। मुमुक्षु शान्ता जी ने कहा–भाग्य पुरुषार्थ का फल है। अर्थात् पुरुषार्थ एवं भाग्य का सामंजस्य ही जीवन की आधारशिला है। जे.डी. बिड़ला इंस्टीच्यूट की प्रिंसिपल दिपाली जी सिंघी ने स्व अनुभव बताते हुए कहा यदि चिन्तन एवं क्रियान्विति में स्वयं के सुपर डेडिकेशन का सामंजस्य रहे तो आपको आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। डॉ. मंजु जी नाहटा ने सामंजस्य को समता का अभ्यास बताते हुए कर्म निर्जरण का हेतु बताया। मुख्य नियोजिका जी ने आईस फैक्ट्री एवं सुगर फैक्ट्री के उदाहरणों द्वारा जीवन में सामंजस्य को अपनाने की बात कही एवं सामंजस्य की अनुप्रेक्षा का सामूहिक प्रयोग करवाया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री सुमन जी नाहटा ने बड़े ही प्रभावी ढंग से किया। इस सत्र में पूरे भारतवर्ष के कन्या मंडलों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं प्रोत्साहन स्थान प्राप्त करने वाले क्षेत्रों के नाम घोषित करते हुए उन्हें मोमेन्टो प्रदान किये गये। वे नाम निम्न हैं :–

महानगर श्रेणी

(1) मुंबई कन्या मंडल (2) अहमदाबाद कन्या मंडल (3) चेन्नई कन्या मंडल

प्रोत्साहन : कोलकाता कन्या मंडल, सूरत कन्या मंडल

नगर श्रेणी– (1)जयपुर शहर कन्या मंडल (2) बारडोली कन्या मंडल (3) उत्तर हावड़ा कन्या मंडल,

प्रोत्साहन : हैदरारबाद कन्या मंडल, रायपुर कन्या मंडल

शहर श्रेणी

(1) बीकानेर कन्या मंडल (2) राजसमन्द कन्या मंडल, गुलाबबाग कन्या मंडल, (3) मैसूर कन्या मंडल, कोयम्बटूर कन्या मंडल

प्रोत्साहन : नोखा कन्या मंडल, फरीदाबाद कन्या मंडल

ग्राम श्रेणी

(1) गदग कन्या मंडल (2) लूणकरणशसर कन्या मंडल (3) इस्लामपुर कन्या मंडल, लाडनू कन्या मंडल

प्रोत्साहन : छापर कन्या मंडल, श्रीडूंगरगढ़ कन्या मंडल, सरदारशहर कन्या मंडल

अंत में आभार कोषाध्यक्ष सरिता डागा ने किया।

H2O का फार्मूला सामंजस्य : अहमदाबाद कन्या मंडल के मंगलाचरण की प्रस्तुति के साथ दोपहर के सत्र में साध्वीवर्या संबुद्ध यशाजी के सान्निध्य में प्रायोगिक प्रशिक्षण के माध्यम से सुषमाजी जैन (Graphologist & Motivator) एवं गरिमा पोद्दार (winner young chef london) के द्वारा कन्याओं को सामंजस्य के सूत्रों का विशेष प्रशिक्षण दिया गया एवं प्रश्नोत्तर के माध्यम से उनकी जिज्ञासाओं को समाहित किया गया। यह सत्र काफी निष्पत्तिजनक रहा। साध्वीवर्याजी कन्याओं को सामंजस्य के महत्व बताते हुए अपने मधुर कंठ से सामंजस्य पर सुन्दर गीतिका प्रस्तुत की। इस सत्र का संचालन किया रमण पटावरी ने। इसी सत्र को आगे बढ़ाते हुए एक नवीन चिन्तन के साथ **'टॉक शो'** का आयोजन हुआ। पैनल में मुख्य निर्णायक की भूमिका रही समणी डॉ.

सामंजस्य

चारित्र प्रज्ञाजी की। अपने ही समाज की विलक्षण प्रतिभाओं को पैनल पर आमंत्रित किया गया जिसमें :-

(1) राशि नाहटा (Dyanamic yoga trainer) (2) पूजा बैद (Jain food promotor) (3) अंकिता संचेती (software desinor) (4) पूजा दुगड़ (value school owner) इन सब young panelists से अपने-अपने अनुभवों को बताते हुए कन्याओं से कहा कि स्व एवं परिवार के साथ सामंजस्य रखने वाला ही सपनों की ऊंची उड़ान भरकर सफलता के शिखरों पर आरोहण कर सकता है। समणी चारित्र प्रज्ञाजी ने सामंजस्य को एक सुलझी सोच बताते हुए उनकी समस्याओं को समाहित किया। इस टॉक शो का संचालन ख्याति बैद ने किया एवं मॉडरेटर थीं ज्योति जैन, जो कि पूरे कन्या अधिवेशन की संयोजिका भी थीं।

सामंजस्य की बात रिश्तों के साथ : द्वितीय दिवस की इस रात्रिकालीन सत्र का शुभारंभ 'तुलसी अष्टकम' के द्वारा हुआ, जिसकी सुन्दर प्रस्तुति जयपुर शहर द्वारा की गयी। रिश्तों की बात सामंजस्य के साथ विषय पर ट्रस्टी शान्ताजी पुगलिया ने अपने विचार व्यक्त किये। उपाध्यक्ष पुष्पाजी बैद ने दैनिक जीवन में आपसी सामंजस्य और तालमेल कैसे स्थापित किया जाए, उसके छोटे-छोटे सहज एवं सरल टिप्स दिये। तत्पश्चात् कन्या मंडलों ने अति रोचक एवं आकर्षक लघु नाटिकाओं द्वारा समसामयिक विषय जैसे-सामंजस्य रिश्तों में, सामंजस्य इच्छा एवं आकांक्षाओं में, सामंजस्य आधुनिकता एवं पुराने विचारों में, पर आधारित समस्याओं को दर्शाया। इन समस्याओं का सटीक समाधान दिया डॉ. नलिनी कोचर ने, जो सुप्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक काउंसिलर एवं समाजसेविका भी हैं। नाटिकाओं की प्रस्तुति चेन्नई, कोयम्बटूर, गदग, कटक, भुवनेश्वर, फारबिसगंज, सूरत, बारडोली, दिल्ली, बंगाईगांव, उधना कन्या मंडलों ने की, जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त किया चेन्नई ने, द्वितीय स्थान गदग, तृतीय स्थान एवं प्रोत्साहन कटक एवं भुवनेश्वर कन्या मंडल ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रचार प्रसार मंत्री नीलम सेठिया ने किया। पुखराजजी सेठिया ने समागत सभी कन्या मंडलों एवं प्रभारियों को हार्दिक धन्यवाद एवं साधुवाद ज्ञापित करते हुए सबके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए कहा कि ये आदर्श कन्याएं आदर्श महिलाएं बनकर एक श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करें।

वर्णमाला सामंजस्य की : 27 जुलाई 2017 परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में प्रवचन पण्डाल में त्रिदिवसीय सामंजस्य अधिवेशन के समापन सत्र का आयोजन किया गया। मंगल सन्निधि मंगल बेला एवं मंगलाचरण की भव्य प्रस्तुति रायपुर कन्या मंडल द्वारा की गयी। आचार्य प्रवर ने कन्याओं को प्रेरणा पाथेय देते हुए कहा कि आधुनिकता के साथ-साथ आध्यात्मिकता को भी अपने जीवन में अपनाएं। यही जीवन का सौन्दर्य है और यही सामंजस्य की वर्णमाला है। शनिवार की सामायिक यथा संभव सभी कन्याएं करें एवं साथ ही साथ प्रतिक्रमण 25 बोल एवं अन्य कंठस्थ ज्ञान को अधिक से अधिक सीखने का लक्ष्य बनायें। ग्यारह बज कर ग्यारह मिनट पर गुरुदेव ने सभी कन्याओं को अपने मुखारबिंद से समयकत्व दीक्षा का संकल्प करवाया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पनाजी बैद ने अधिवेशन के सत्रों को संक्षिप्त जानकारी देते हुए पुज्य प्रवर की असीम अनुकम्पा के प्रति आभार ज्ञापित किया। आभार की इसी शृंखला में साध्वी प्रमुखाजी, मुख्य नियोजिका, साध्वीवर्याजी एवं समस्त चारित्र आत्माओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रति आभार एवं अधिवेशन के सफल संयोजना हेतु अधिवेशन संयोजिका ज्योति जैन एवं रमण पटावरी को बहुत बहुत साधुवाद एवं धन्यवाद प्रेषित किया। राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी पुखराजजी सेठिया ने कार्यक्रम का संयोजन करते हुए कन्या मंडल के गति-प्रगति आंकड़ों को पूर्ण व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया। शनिवार की 4 लाख से भी अधिक कन्याओं द्वारा की गयी सामायिक का वाट्सअप यात्रा में जुड़ी हजारों कन्याओं की संख्या का विशेष उल्लेख किया। सामंजस्य एक शक्ति है, सुलझी सोच है, समता का अभ्यास है, अतुल आत्म विश्वास है, आवश्यक है हम सबसे पहले स्वयं के साथ सामंजस्य स्थापित करें-जीवन को सुन्दर बनाने के लिए यही काफी है।

सामंजस्य

हार्दिक आभार

अनंत कृतज्ञता अर्पित करते हैं अध्यात्म के महासूर्य परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन चरणों में जिनकी दिव्य छत्रछाया में अखिल भारतीय तेरापंथ कन्यामंडल का 14वाँ राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन 'सामंजस्य' निर्विघ्नता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

परमपूज्य आचार्य प्रवर ने प्रात:काल की मंगलमय बेला में कन्याओं पर आशीर्वचनों की जो अमृत वर्षा की, वो उनके जीवन की अमूल्य निधि बन गई। कन्याओं को आपके द्वारा प्रदान किया गया बहुमूल्य समय उनके जीवन का अविस्मरणीय क्षण है जो उनमें अध्यात्म के अंकुर का बीजारोपण करेगा।

गुरुदेव ने कन्याओं को सम्यक्त्व दीक्षा प्रदान कर उन्हें सम्यक्त्व रत्न से सुशोभित किया। आपके प्रभावी उद्‌बोधन ने नई ऊर्जा का संचार किया।

परम पूज्य गुरुदेव के प्रति हृदय से अनन्त अनन्त कृतज्ञता।

कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं परम श्रद्धेय महाश्रमणी साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के चरणों में, जिनका मार्गदर्शन हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत बना।

कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं मुख्य नियोजिका विश्रुतविभाजी के प्रति जिनका अनुभव पूरित मार्गदर्शन हमें सदा नई राह दिखाता रहा।

कृतज्ञता विदुषी साध्वीवर्याजी के प्रति जिनके ज्ञान आलोक ने कन्याओं को सार्थक दिशा प्रदान की।

आध्यात्मिक पर्यावेक्षक साध्वी श्री कल्पलताजी का स्नेहिल मार्गदर्शन हमें पूरे अधिवेशन में मिला, जो इसकी सफलता का सोपान बना। आभार साध्वी स्वास्तिक प्रभाजी एवं समणी चारित्रप्रज्ञाजी के प्रभावी प्रशिक्षण के प्रति जिनके मार्गदर्शन से कन्या अधिवेशन ने एक निष्पतिपूर्ण मंजिल का वरण किया।

मुमुक्षु डॉ. शांताजी जैन के प्रति आभार, जिनका प्रशिक्षण कन्याओं के लिए प्रेरणादायी रहा। आभार डॉ. मंजूजी नाहटा, डॉ. दिपालीजी सिंघी, सुषमाजी जैन, सुश्री गरिमाजी पोद्दार, राशिजी नाहटा, ख्यातिजी बैद, पूजाजी बैद, गरिमा जी बैद, ऋतुजी बुच्चा, अंकिताजी संचेती, श्रेयाजी नाहटा आदि सभी वक्ताओं के प्रति आभार, जिन्होंने अपना अमूल्य समय प्रदान किया।

आभार चार्तुमास प्रवास व्यवस्था समिति कोलकाता के अध्यक्ष श्री कमलजी दुगड़ तथा महामंत्री श्रीमती सूरजजी बरड़िया एवं उनकी टीम के प्रति जिन्होंने व्यवस्थाओं में अपना सहयोग प्रदान किया।

आभार कन्या मंडल प्रभारी पुखराजजी सेठिया के प्रति जिन्होंने अधिवेशन को सफल बनाने में अपने अथक श्रम से दिन-रात एक कर दिया तथा उनका सहयोग दिया सह प्रभारी श्रीमती करूणाजी कोठारी ने।

आभार कन्या मंडल अधिवेशन संयोजिका ज्योतिजी जैन व रमनजी पटावरी के प्रति, जिन्होंने अधिवेशन की सभी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संभाला।

समस्त संभागी कन्याओं के प्रति विशेष रूप से आभार, जिनकी गरिमामय उपस्थिति एवं शालीनता ने कार्यक्रम में चार चाँद लगाये।

इस अधिवेशन के कवरेज हेतु जैन तेरापंथ न्यूज, तेरापंथ संघ संवाद एवं राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं के प्रतिनिधियों ने मुस्तैदी के साथ अपने दायित्व का निर्वहन किया। मीडिया के प्रति भी हार्दिक आभार।

इस अधिवेशन को सफल बनाने में हमारी अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की पूरी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पूरी टीम के प्रति हृदय की गहराई से साधुवाद।

आशाजी बोथरा, लीनाजी दुगड़, सुधाजी बोथरा, वीणाजी श्यामसुखा, संतोषजी बैद, मंजूजी चोपड़ा, सरोजजी नाहटा, नीलमजी लुणिया, सरलाजी बरड़िया, कनकजी संचेती, मंजूजी बैद, अंजुजी दुगड़, सुशीलाजी सेठिया, लीलाजी पुगलिया,

कनकजी बागरेचा, कान्ताजी चोरड़िया, राजकुमारीजी सुराणा, सीमाजी बैंगाणी, रश्मिजी सेठिया आदि सभी स्थानीय बहनों के प्रति हार्दिक आभार, जिन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। किसी भी कार्यकर्त्ता बहन का नामोल्लेख करने में अगर त्रुटि रहगई हो तो क्षमा याचना करते हैं।

पुन: सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए यही आशा करते हैं कि यह अधिवेशन 'मंडल' की चहुंमुखी प्रगति में मील का पत्थर साबित हो तथा हमारे धर्म संघ की प्रभावना बढ़े। ॐ अर्हम।

14वें कन्या अधिवेशन की सफलता में सहयोगी उदार परिवार

श्रीमती झमकू देवी चोपड़ा
गंगा शहर–सूरत

श्रीमती सुशीलाजी–विजयसिंहजी कोठारी
चुरू–कोलकाता

श्रीमान् अभय कुमारजी, पदमचंदजी, मनोज कुमारजी, हेमन्तजी दुगड़, ज्योतिजी दुगड़
कोलकाता

सहयोगी परिवार

डा. विजय सिंहजी, विमल सिंहजी तथा प्रभाजी घोड़ावत
बिदासर–लाडनूं–इंदौर

श्रीमती सुनीताजी– नरेन्द्रजी श्यामसुखा
सरदारशहर–कोलकाता

श्रीमान् अशोकजी–सायरजी बैंगाणी
लाडनूं–कोलकाता

श्रीमती कंचनजी–ज्योतिजी जैन (श्यामसुखा)
कोलकाता

सामंजस्य

झलकियां

ज्ञान

ज्ञान ज्योति प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता–21

(संदर्भ ग्रन्थ– आचार्य महाश्रमण रचित 'धम्मो मंगल मुक्किठं, पेज– 1–268)

प्रश्नों के उत्तर संख्या (अंकों) में लिखें :–

1. जैन धर्म में दीक्षा मुख्यतया..... प्रकार की है।
2. ..... द्रव्यों में एक काल अप्रदेश है, शेष..... सप्रदेश है।
3. अब्रह्मचर्य..... प्रकार का होता है।
4. ..... रसों में वीर रस और शान्त रस एक दूसरे के विरोधी स्वभाव वाले हैं।
5. ..... तत्वों के स्थान पर तत्वार्थसूत्र में..... ही तत्व उल्लिखित हैं।
6. जैन धर्म के अनुसार मोक्ष के..... सोपान हैं।
7. किन्तु घर में कोलाहल इतना कि मानों वहां..... आदमी रहते हैं।
8. युवकत्व के..... लक्षण हैं।
9. इन..... बातों का आचरण जीवन में होना चाहिए।
10. साधना की दृष्टि से.....शब्द ज्ञातव्य है।
11. ..... प्रकार के लोग बाद में धर्म करने की बात सोच सकते हैं।
12. आचार्य भिक्षु ने..... द्वार में आश्रव और कर्म की भिन्नता को स्पष्ट किया है।
13. प्रथम मर्यादा–महोत्सव श्रीमज्जयाचार्य ने वि.सं..... में बालोतरा मारवाड़ में मनाया था।
14. ..... महापुरुषों में सम्प्रति विद्यमान एकमात्र श्री तुलसी हैं।
15. ..... अंगों में प्रथम है आचारांग।
16. दसवें आलियं सूत्र में मृषा के..... कारण बतलाए गए हैं।
17. ..... लेश्या हूंती जद बीर मैं, हूंता आठूंई कर्म।
18. संसार–व्युत्सर्ग के..... प्रकार हैं।
19. ..... वर्ष की युवा अवस्था में दीक्षित मुनि भीखणजी अपने गुरु पूज्य श्री रघुनाथजी के पास जैन आगमों का स्वायध्याय करते।
20. इन ..... भावों के अतिरिक्त एक भाव और आगम साहित्य में उपलब्ध होता है।
21. कम से कम..... वर्षों तक इस पंथ का कुछ भी बिगड़ने वाला नहीं है।
22. ..... तीर्थंकरों की स्तुति में रचित होने से यह चौबीसी नाम से विख्यात है।
23. वैयावृत्य के ..... स्थानों में तीर्थंकर के वैयावृत्य का कोई अलग से उल्लेख नहीं है।
24. दिन में बार–बार उन..... सूत्रों का स्मरण करते रहना।
25. ..... वर्ष की लघु वय में वह अध्यात्म–साधना और सन्तता के लिए कृत संकल्प हो गया।
26. तत्वार्थाधिगमसूत्र में प्रायश्चित के..... प्रकार बतलाए गए हैं।
27. आज से..... वर्ष पूर्व आपश्री का यहां आगमन हुआ था।

28. ठाणं में उल्लिखित है कि ..... स्थानों से सम्पन्न अनगार आलोचना देने के योग्य होता है।
29. आचार्यश्री ने..... मिनट तक उद्‌बोधन किया।
30. जैन आगम साहित्य में..... शरीर बतलाए गये हैं।
31. तीसरे अध्याय में ..... की संख्या वाली वस्तुओं का वर्णन है।
32. उपवास से लेकर ..... मास तक की तपस्या इत्वरिक अनशन है।
33. ..... समुद्देशन काल, पदप्रमाण से.....पद, संख्येय अक्षर, अनन्त गम और अनन्त पर्यव हैं।
34. निर्जरा ज्ञानावरण आदि..... कर्मों की होती है, इसलिए वह..... प्रकार की होती है।
35. भगवती में मूल शतक..... हैं।

नोट : आपके उत्तर इस माह की 30 तारीख तक आपके नाम, पता, फोन नम्बर व पिनकोड के साथ प्रेषित करें। प्रत्येक माह 11 भाग्यशाली विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

सम्पर्क सूत्र :
श्रीमती रजनी बाफना
एस-200, पहला तल्ला, ग्रेटर कैलाश, पार्ट-।।, नई दिल्ली-110 048, मो. +91 93504 14439

ज्ञान ज्योति प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता नं. 19 के उत्तर

मेल मिलाप :-

1. कायोत्सर्ग
2. शिकार
3. श्रोताओं
4. क्षण
5. भगवती
6. समज
7. सिद्धावस्था
8. ज्ञानी
9. पैशुन्य
10. एक दंड
11. क्षय
12. प्रवृत्ति
13. तड़
14. दुनिया
15. पांच कल्याणक
16. अद्वैत
17. स्थित आत्मा
18. आज्ञा
19. मान्यता
20. स्थानांग
21. अभिवचन
22. दक्षिण भारत
23. छद्‌मस्थ
24. अग्र
25. धूने पर

जून माह के प्रश्नोत्तरी-19 के भाग्यशाली विजेताओं के नाम

1.	सोनम बडेरा	:	टापरा	7.	अरुणा छाजेड़	:	बेलडांगा
2.	सरला कोठारी	:	अजमेर	8.	चन्द्रादेवी तातेड़	:	बालोतरा
3.	सुमन	:	किशनगढ़	9.	मंजुला डागा	:	सरदारशहर
4.	कमला देवी बोथरा	:	भीनासर	10.	चन्द्रा सालेचा	:	बालोतरा
5.	संजू बैद	:	दलखोला	11.	कमला भंसाली	:	गुलाबबचक्ष
6.	श्वेता बोरड़	:	गुलाबबाग				

आभार

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की विभिन्न प्रवृत्तियों में अनुदान की राशि निम्नलिखित अनुदानदाताओं से अथवा उनके सद्प्रयासों एवं प्रेरणा से प्राप्त हुए।

7,00,000/– : श्रीमती ताराजी–नरेन्द्रजी–सुरेन्द्रजी सुराणा, जैन स्कॉलर के उपलक्ष में सप्रेम भेंट, कोलकाता

51,000/– : श्रीमती शशिजी–मांगीलालजी बोहरा के विवाह की 50वीं वर्षगांठ पर सप्रेम भेंट, पटना

51,000/– : श्रीमती सुमनजी–विनयजी नाहटा द्वारा पुत्र विवाह के उपलक्ष्य में सप्रेम भेंट, दिल्ली

21,000/– : श्रीमती सुमनजी–शरदजी गोलछा द्वारा सप्रेम भेंट, लाडनूं–कोलकाता

21,000/– : श्रीमती मंजूजी–प्रकाशजी नाहटा द्वारा सप्रेम भेंट, लाडनूं–कोलकाता

फिजियोथेरेपी सेंटर हेतु

3,00,000/– कोलकाता महिला मंडल द्वारा सप्रेम भेंट

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं का हार्दिक आभार

परिसीमन प्रारुप के अंतर्गत निम्न क्षेत्रों में नए महिला मंडल का गठन हुआ है:

क्षेत्र	अध्यक्ष	मंत्री
पर्वतपाटिया– गुजरात	मनोज देवी गंग	चंद्रकला कोठारी
राजाजीनगर– बंगलोर	मंजु गन्ना	ऊषा चौधरी
यशवंतपुर– बंगलोर	अरूणा मणोत	मीनाक्षी दक
दाशरहाली– बंगलोर	गीता बाबेल	सुनीता बोहरा

नवगठित महिला मंडल

देओलगाँव– महाराष्ट्र	आशा शाँखला	वंदना आँचलिया
हूँसुर, मैसूर– कर्नाटका	चंदा बोहरा	डिम्पल मारू

नारी लोक हेतु सम्पर्क करें :
श्रीमती सौभाग बैद (जैन)
C-142, दयानंद मार्ग, तिलक नगर, जयपुर–302004
मोबाइल : +918003131111

नारी लोक

– सम्पर्क सूत्र –

राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्रीमती कल्पना बैद
5-डीई, अमर ज्योति,10, वेलवेडियर रोड, अलीपुर, कोलकाता-700 027, मोबाइल : 09831046456
ईमेल: abtmm.kalpana@gmail.com

महामंत्री
श्रीमती सुमन नाहटा
जी/67, कीर्ति नगर, नयी दिल्ली-110 015
मोबाइल : 098188 54120 ईमेल : nahata67@gmail.com

कोषाध्यक्ष
श्रीमती सरिता डागा
45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर-302 017
मोबाइल : 094133 39841 ईमेल : sarita.daga21@gmail.com

– नारीलोक संपादन सहयोग –
श्रीमती कमला छाजेड़ एवं **श्रीमती गुलाब सुराणा**, कोलकाता

www.terapanthinfo.com www.abtmm.org